।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति

श्रीडूँगरगढ़ - 331803

जिला - बीकानेर (राज.)

दूरभाश : 01565 -224600,224900 - फेक्स

e-mail id : jstsdgh01565@gmail.com

डॉ. पारस जैन समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित

स्वस्थ समाज की पहचान है मूल्यांकन - आचार्य महाप्रज्ञ

श्रीडूँगरगढ़ 23 दिसम्बर : जो व्यक्ति त्याग और श्रद्धा के साथ सेवा करता है उसका मूल्यांकन करना स्वस्थ समाज की पहचान है। जिस समाज संगठन में मूल्यांकन की परम्परा नहीं होती, वह कभी विकास नहीं कर सकता और प्रोत्साहन के अभाव में समाज से प्रतिभाओं का सम्बन्ध टूट जाता है। उक्त उद्गार अणुव्रत अनु-ास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने श्री जैन :वेताम्बर तेरापंथी महासभा कोलकता द्वारा आयोजित श्रीमति मनोहरी देवी डागा समाज सेवा पुरस्कार समर्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। इस समारोह में हनुमानगढ़ प्रवासी डॉ. पारस जैन को उनकी समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य महाप्रज्ञ ने डॉ. पारस जैन की सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक जीवन का एक अंग है संविभाग । समाज को सैकड़ों तरह के कार्य को सम्पादित करने के लिए सैकड़ों व्यक्तियों की आव-यकता होती है। सैकड़ों व्यक्तियों के संविभाग से ही सारे कार्य सम्पादित होते है। समाज की सेवा करना व्यक्ति का कर्तव्य होता है। इस कर्तव्य को डॉ. पारस जैन ने बेखूबी निभाया है। उन्होनें कहा कि समाज में पारस्परिता भी जरूरी है। जब व्यक्ति साधु बन जाता है तो उसे सारे सम्बन्धों से नाता तोड़ना होता है, परन्तु समाज में रहते हुए सम्बन्धों के महत्व को समझना आव-यक है। वर्तमान समाज में परस्परता समाप्त हो गई है। पुराने समय में माता पिता का चिन्तन रहता था कि पुत्र सेवा करेगा पर इस चिन्तन को भुला देना चाहिए क्योंकि वि-व के अधिकां-ा भाग में यह परम्परा धूमिल होती जा रही है परन्तु ऐसी परिस्थिति में भी कुछ व्यक्ति ऐसे होते है जो प्रकृति से परस्परता का मूल्य आंकते है। आचार्य महाप्रज्ञ ने वर्तमान युग में :ारीरिक से ज्यादा मानसिक बीमारी होने की चर्चा करते हुए कहा मन की चिकित्सा ज्यादा जरूरी है। मन खराब होने के कारण ही :ारीर की प्रक्रिया गड़बड़ा गई है। आदमी की व्यस्त जिन्दगी पर टिप्पणी करते हुए उन्होनें कहा कि जो व्यक्ति अपने आपको सबसे ज्यादा व्यस्त बताये, वह सबसे ज्यादा निकम्मा होता है। समय का ठीक तरह से प्रबन्ध हो तो व्यक्ति के पास समय की कमी नहीं रहती।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि डॉक्टर के सामने सेवा और पैसा दो तत्त्व है जो डॉक्टर पैसा को उच्च स्थान पर रखता है तो वह अपने कर्तव्य से च्यूत हो जाता हैं और सेवा को उच्च स्थान पर रखने वाला समाज के लिए अनुकरणीय होता है। सामाजिक एवं आध्यात्मिक दोनों स्थानों पर सेवा का महत्व है। उन्होनें डॉ. पारस का जैन समाज सेवा पुरस्कार के लिए चयन उचित बताया, उन्होनें इस अवसर पर वकीलों को पराम-ा देते हुए कहा कि वकीलों को न्याय को प्रतिश्ठित करने के लिए प्रयत्न करना चाहिए तथा अन्याय को पुश्ट करने के लिए तर्क का उपयोग नहीं करना चाहिए।

.....क्रम-ा पेज 2

इससे पूर्व जैन :वेताम्बर तेरपंथी महासभा के राश्ट्रीय अध्यक्ष जसकरण चौपड़ा ने अमृत योगक्षेम कोश के अन्तर्गत श्रीमति मनोहरी देवी डागा समाज सेवा पुरस्कार स्वरुप प्रतीक चिन्ह बालोतरा निवासी एवं हनुमानगढ़ प्रवासी डॉ. पारस जैन को प्रदान किया । पुरस्कार रा-ि ईकावन हजार का चैक एवं प्र-ास्ति पत्र बजरंग जैन ने डॉ. जैन को भेंट किया और प्र-ास्ति पत्र का वाचन हेमराज :यामसुखा ने किया। महासभा के अध्यक्ष चौपड़ा ने डॉ. जैन को सेवाभावी एवं समर्पित व्यक्तित्व बताया। डॉ. पारस जैन ने पुरस्कार स्वीकृति भाशण में समाज सेवा करने वाले गुमनाम कार्यकर्ताओं को अपना पुरस्कार समर्पित करते हुए जन्म एवं कर्म भूमि के श्रावकों के सहयोग का सम्मान बताया। इस अवसर पर महासभा द्वारा प्रका-ित कृति ''उपासन'' भाग एक व दो का नवीन संस्करण अध्यक्ष श्री चौपड़ा ने आचार्यप्रवर व युवाचार्य को समर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन पन्नालाल पुगलिया ने किया।

सादर प्रका-ानार्थ : - **मीडिया प्रभारी/सहप्रभारी**